home task during summer and winter vacations; and

(c) if not, the reasons therefor ?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI JAGJIWAN RAM) : (a) The scale of note books supplied to the students generally covers the requirements of Class work, after school work in the Dormitories and the Home work assigned to boys for the Winter vacation ;

(b) The school provides books for the home work to be done by the boys during the Winter vacation; no home work is allotted for the Summer vacation.

(c) Does not arise.

ताइवान प्रतिनिधिमण्डल को वीजा का न दिया जाना

4498. **श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :**
श्री रामावतार शर्मा :

क्या वैदेशिक कार्य मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ताइवान प्रतिनिधिमंडल को भारत में सातवें एशियाई विज्ञापन सम्मेलन में भाग लेने के लिए वीजा नहीं दिया गया था; और

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

वैदेशिक-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सुरेन्द्रपाल सिंह) : (क) जी नहीं। वीजा नहीं दिये गए थे।

(ख) संयुक्त राष्ट्र संघ अथवा इसके सहायक संगठनों के तत्वावधान में जो सम्मेलन होते हैं उन्हें छोड़कर किन्हीं अन्य सम्मेलनों में ताईवान के प्रतिनिधिमंडलों को बुलाने की अनुमति देने की सरकार की नीति नहीं है। खास तौर से ऐसी अवस्था में जबकि सरकार का भी उससे संबन्ध हो।

तांबे में आत्मनिर्भरता

4500. **श्री महाराज सिंह भारती :** क्या पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में तांबा अयस्क के ऐसे निक्षेप पाये गये हैं जिनसे करोड़ों मीटरी टन तांबा अयस्क उपलब्ध है ; और

(ख) यदि हां, तो देश तांबे के उत्पादन में कब तक आत्मनिर्भर हो जायेगा ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नीतिराज सिंह चौधरी) : (क) जी हां। लघु निक्षेपों के अतिरिक्त, देश में प्रमुख ताम्र अयस्क उपलब्ध राशियां बिहार में राखा, तामपहाड़ और तुरमदीह तथा राजस्थान में खेतड़ी और कोलीहन में हैं जिनकी प्राक्कलित उपलब्ध राशियां क्रमशः 63.900, 19.610, 10.600, 92.400 और 12.120 लाख मैट्रिक टन हैं।

(ख) 1973-74 में ताम्र की प्राक्कलित मांग 1,24,000 मैट्रिक टन है जबकि 1973-74 तक सम्भावित उत्पादन केवल 50,000 मैट्रिक टन है। ताम्र अयस्क की विद्यमान उपलब्ध राशियों के आधार पर इस बारे में अभी तक कोई निर्धारण नहीं किया गया है कि क्या देश ताम्र उत्पादन में आत्म-निर्भरता प्राप्त कर सकेगा अथवा नहीं।